सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, सोमवार, 10 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 299, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड भाविका की मौत के बाद जागी पुलिस, स्टंटबाजों पर... » Pg02

ऐलानः प्रदेश के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् गीत गाना जरूरी

» Pg12

शिक्षा के बाजारीकरण ने ली होनहार छात्र जान?

नाकारा सिस्टम ने उज्जवल भविष्य को राख बना डाला!

मात्र सात हजार की फीस बनी मौत की वजह, उज्ज्वल ने तोड़ दिया दम, प्रबंधक और दरोगा समेत छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कब अरेस्ट होगा क्रूर प्रिंसीपल?

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। डीएवी डिग्री कॉलेज बुढ़ाना में फीस को लेकर प्रताड़ित किए जाने पर आत्मदाह करने वाले छात्र उज्ज्वल राणा (20) ने दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में दम तोड़ दिया। आक्रोशित लोगों द्वारा हंगामा-प्रदर्शन करने पर पुलिस-प्रशासन को बैकफुट पर आना पड़ा। कॉलेज के प्रबंधक, प्राचार्य, पीटीआई के अलावा दरोगा और दो सिपाहियों के खिलाफ धमकी और गाली-गलौज की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया। कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में डीएम उमेश मिश्रा और एसएसपी संजय वर्मा को बुलाकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई के आदेश दिए। वहीं कौशल विकास राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने प्रकरण की जांच कर दोषियों को सख्त सजा दिलाने की बात कही है।

उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फरनगर के बुढ़ाना स्थित डीएवी डिग्री कॉलेज में छात्र उज्ज्वल राणा की मौत के बाद मामला गंभीर हो गया है। आज सोमवार को कॉलेज गेट पर छात्रों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। छात्रों का आरोप है कि उज्ज्वल राणा को कॉलेज प्रशासन की ओर से फीस जमा कराने को लेकर कथित रूप से लगातार दबाव और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा था। इसी तनाव के चलते छात्र ने खुदकुशी का कदम उठाया। कल छात्र उज्ज्वल राणा की दिल्ली में इलाज के दौरान दर्दनाक मौत हो गई थी। मरने से पहले उज्ज्वल राणा ने अपने रिकॉर्ड हुए बयान में कॉलेज प्रशासन ओर पुलिस कर्मियों को अपने हादसे का जिम्मेदार बताया था।

खुद को आग लगाने के बाद उसे गंभीर हालत में सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सोमवार दोपहर बुढ़ाना में उसका अंतिम संस्कार किया जाना है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि कॉलेज प्रशासन द्वारा फीस को लेकर जिस तरह का रवैया अपनाया गया, उसने उज्ज्वल को मानसिक रूप से तोड़ दिया। छात्रों का कहना है कि वे अपने साथी की मौत को यूं ही नहीं जाने देंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करवाकर ही आंदोलन समाप्त करेंगे। फिलहाल कॉलेज परिसर में भारी पुलिस तैनाती की गई है और हालात काबू में बताए जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, उज्ज्वल पिछले कई दिनों से 7,000 की कॉलेज फीस को लेकर परेशान था। छात्र ने 1750 रुपये तो जमा कर दिए लेकिन बाकी फ़ीस के लिए कॉलेज प्रशासन की ओर से दबाव बनाया जा रहा था. जिसके बाद उसने ये खौफनाक कदम उठा लिया। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह फीस जमा नहीं कर पा रहा था। कॉलेज प्रशासन की ओर से उस पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। इस मानसिक तनाव ने आखिरकार उसे उस मोड़ पर ला दिया, जहां से वापसी संभव नहीं थी। कुछ दिन पहले उज्ज्वल ने कॉलेज परिसर में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। गंभीर हालत में उसे दिल्ली रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मरने से पहले उज्ज्वल ने एक वीडियो बयान छोड़ा, जिसमें उसने कॉलेज प्रशासन और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए।

वीडियो में उज्ज्वल ने कहा कि कॉलेज के प्राचार्य प्रदीप सिंह ने उसके साथ अभद्रता की और झूठे आरोप लगाकर पुलिस को बुलाया। उसने बताया कि पुलिस थाने में भी उसके साथ दुर्व्यवहार हुआ और न्याय की जगह उसे अपमान सहना पड़ा। उज्ज्वल ने अपने बयान में दरोगा नंद किशोर, चार कांस्टेबलों, कॉलेज के क्लर्क और मैनेजर को अपनी दुखद स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया। अस्पताल में अपने अंतिम वक्त पर उज्ज्वल ने तड़पते हुए कहा, मैंने किसी का कुछ नहीं बिगाड़ा, फिर भी सब मेरे खिलाफ हो गए। प्रिंसिपल ने झूठे आरोप लगाए, पुलिस ने भी नहीं सुनी। उसकी यह पीड़ा अब क्षेत्र ही नहीं पूरे प्रदेश में गूंज रही है।

दस दिन बाद फीस देने का किया था वादा...

अस्पताल में पुलिस को बयान देता छात्र

प्रिंसिपल और पुलिस के दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर खुद को आग लगाने वाले छात्र का वीडियो वायरल होने के बावजूद आंख मूंदकर बैठे रहे जिम्मेदार...!

होनहार छात्र था उज्जवल

परिवार और ग्रामीणों के अनुसार, उज्ज्वल एक शांत, होनहार और मेहनती छात्र था। उसका सपना था कि वह पढ़-लिखकर अपने परिवार का सहारा बने, लेकिन शिक्षा प्रणाली के बाजारीकरण, अमानवीयता, प्रशासन की संवेदनहीनता और नाकारा सिस्टम ने उसकी जान ले ली। गांव में गुस्सा और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने कहा कि 7 हजार जैसी छोटी रकम के लिए किसी बेटे की जान नहीं जानी चाहिए। फिलहाल, पुलिस ने कॉलेज प्राचार्य और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने उज्ज्वल द्वारा जिनके नाम बताए हैं उनके खिलाफ भी जांच शुरू कर दी है।

दोषी कोई भी हो सजा दिलाई जाएगी

इस बारे में कौशल विकास राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने स्वराज इंडिया को बताया कि यह घटना बेहद दुःखद है, मुझे जानकार बहुत अफसोस हुआ। इस दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं मृतक छात्र उज्जवल कुमार के परिजनों के साथ हैं। इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। छात्र की मौत के मामले को गंभीरता से लिया गया है, कोई भी दोषी हो सजा दिलाई जाएगी।

उज्ज्वल राणा की आत्मदाह का पूरा घटनाक्रम

- 06 नवंबर को परीक्षा शुल्क जमा कराने के लिए कहने पर कालेज में कहासुनी हुई।
- 07 नवंबर को छात्र ने प्राचार्य और अन्य लोगों पर पिटाई-उत्पीड़न का आरोप लगाया।
- 08 नवंबर को छात्र ने कॉलेज की कक्षा में अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।
- 09 नवंबर को बुढ़ाना में हंगामा, सफदरजंग में उपचार के दौरान छात्र की दुःखद मौत हो गई।

बहन के प्रेमी को पीट-पीटकर मौत के घाट उतारा

गोपाला टावर चौराहे पर पांच हमलावरों ने लाठी-डंडों से किया हमला, आरोपी भाई गिरफ्तार

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। रावतपुर के गोपाला टावर चौराहे पर शनिवार देर रात हुई दिल दहला देने वाली वारदात में एक युवक को प्रेम प्रसंग की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। युवती के भाई ने चार साथियों के साथ मिलकर बहन के प्रेमी को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने मुख्य हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

रावतपुर के गोपाल टावर बंजारन बस्ती निवासी सब्जी व्यापारी राजबहादुर का 22 वर्षीय बेटा लकी दादानगर की एक फैक्ट्री में काम करता था। लकी का जयप्रकाश नगर कच्ची बस्ती निवासी एक युवती से प्रेम संबंध था। युवती अक्सर लकी के घर आती-जाती थी, जिससे उसका भाई रोहित चौहान नाराज रहता था। कई बार उसने दोनों के बीच संबंध को लेकर विवाद भी किया था। शनिवार रात करीब सवा बारह बजे लकी गोपाल टावर चौराहे के पास मोबाइल पर बात कर रहा था। तभी रोहित अपने चार साथियों के साथ दो बाइकों पर वहां पहुंचा और लकी पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घायल लकी सड़क पर तड़पता रहा जबकि राहगीर तमाशबीन बने रहे। हमलावर धमकी देकर मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्वजन लकी को कार्डियोलॉजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके से सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू की। फुटेज में आरोपी रोहित और उसके साथी हमला करते और भागते हुए नजर आए। एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी रोहित चौहान को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार चार साथियों की तलाश में पुलिस की कई टीमें दबिश दे रही हैं।

भाविका की मौत के बाद जागी पुलिस, स्टंटबाजों पर चला डंडा

» दो दिन में 146 वाहनों के चालान, 14 बाइकें सीज गंगा बैराज पर तैनात रहा पुलिस बल

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। गंगा बैराज पर रफ्तार और रील बनाने के चक्कर में स्टंटबाज बाइकर्स ने एक युवती की जान ले ली। स्कूटी सवार छात्रा भाविका गुप्ता की दर्दनाक मौत के बाद पुलिस हरकत में आई और लगातार दो दिनों तक सख्त अभियान चलाया। शनिवार को 50 और रविवार को 96 वाहनों के चालान काटे गए, जबकि 14 बाइकें सीज कर दी गईं।

शुक्लागंज के सर्वोदय नगर निवासी मनीष गुप्ता की इकलौती बेटी भाविका गुरुवार शाम अपनी सहेली नेहा मिश्रा के साथ स्कूटी से गंगा बैराज जा रही थी। तभी बिठूर की ओर से स्टंट करते आ रहे दो बाइकों पर सवार चार युवकों ने तेज रफ्तार में स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में भाविका 50 मीटर तक घिसटती चली गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई, जबकि सहेली नेहा घायल हो गई। दुर्घटना के बाद स्टंटबाज बृजेश निषाद और उसके साथी बाइक छोड़कर मौके से भाग निकले। बृजेश का पैर और जबड़ा टूट गया, लेकिन वह अस्पताल के बजाय छिप गया। हादसे के बाद गंगा बैराज पर स्टंटबाजी के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिससे पुलिस की लापरवाही पर सवाल खड़े हो गए। शनिवार को यातायात पुलिस और कोहना थाने की टीम ने गंगा बैराज पर सघन अभियान चलाया।

बैराज पर सुबह से शाम तक चेकिंग होती रही। रविवार को भी पुलिस का अभियान जारी रहा। दो दिन में कुल 146 वाहनों के चालान किए गए और कई बाइकों पर तीन सवारी, तेज रफ्तार व बिना हेलमेट जैसे मामलों में कार्रवाई हुई।डीसीपी ट्रैफिक रवींद्र कुमार ने बताया कि गंगा बैराज और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में स्टंटबाजों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा,अब कोई भी बाइकर कानून तोड़ेगा तो सीधे वाहन सीज और मुकदमा दर्ज होगा।

लखनऊ में 23 नवंबर को होगा भव्य आयोजन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सनातन सेवा सत्संग उत्तर प्रदेश एवं श्रीमद्भागवत गीता वैदिक न्यास की संयुक्त बैठक रविवार को ऑक्सफोर्ड मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, श्याम नगर में संपन्न हुई। बैठक में बड़ी संख्या में गीता प्रेमियों ने सहभागिता की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर इंद्र मोहन रोहतगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवद्गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए शांति, सद्भाव और कर्तव्यनिष्ठा का अचूक संदेश है।

श्रीमद्भागवत गीता वैदिक न्यास के अध्यक्ष डॉ. उमेश पालीवाल ने बताया कि पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के मार्गदर्शन में गीता प्रेरणा उत्सव आगामी 23 नवंबर को लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क, गोमतीनगर में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से सायं 3 बजे तक चलेगा।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सहित राष्ट्र के कई प्रमुख संतों का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

सनातन सेवा सत्संग के प्रांतीय अध्यक्ष आचार्य सुधीर भाई मिश्र ने कहा कि कानपुर से लगभग 5000 गीता अनुरागी इस उत्सव में भाग लेंगे।

विभिन्न मार्गों से बसों, निजी वाहनों और ट्रेनों द्वारा श्रद्धालुओं के आगमन की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने यह भी बताया कि सनातन सेवा सत्संग का माघ मेला शिविर 3 जनवरी 2026 से प्रयागराज के ओल्ड जीटी मार्ग, सेक्टर-5 में लगाया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिकारी एवं पूर्व आयकर अधिकारी शरद प्रकाश अग्रवाल ने की। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की हर समस्या का समाधान गीता के सिद्धांतों में निहित है।

कार्यक्रम के दौरान कवियत्री सीमा अग्रवाल जागृति का जन्मदिन भी मनाया गया। उन्होंने श्रीकृष्ण और अर्जुन संवाद पर भावपूर्ण कविता पाठ किया, जिसके बाद अन्य कवियों ने भी अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

अंत में आभार व्यक्त करते हुए ऑक्सफोर्ड स्कूल के चेयरमैन आशीष शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 1 दिसंबर को गीता जयंती पर मानव श्रृंखला बनाई जाएगी और गीता पाठ के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा।बैठक का संचालन राजेश दीक्षित 'कक्का जी' एवं के.के. शुक्ला ने किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से शेष नारायण त्रिवेदी, आर.के. अग्निहोत्री, भोलेनाथ पांडे, कमलेश बाबू मिश्रा, सुशील बाजपेई, राजेश शुक्ला, सुरेंद्र शर्मा, रघुवीर मलिक, अमरीश जायसवाल, डॉ. दिलीप कुमार मिश्रा, प्रमोद गुप्ता, ईला बाजपेई, किरण तिवारी, एडवोकेट सुभाष द्विवेदी, अतुल अवस्थी, महावीर प्रसाद गुप्ता, डॉक्टर शिव कुमार परिहार, महेंद्र प्रताप सिंह, राजीव भट्ट (क्रिक 5 फैमिली) सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कानपुर विश्वविद्यालय की लापरवाही से अधर में लटका छात्र का भविष्य

» डिग्री कॉलेज और सीएसजेएम विश्वविद्यालय के बीच रिजल्ट अटका तो MSC में दाखिला छूटा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। श्री कृष्ण जानकी महाविद्यालय डिलवल से बीएससी (सत्र 2021-24) करने वाले छात्र अभिनव भट्ट का रिजल्ट छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा रोक दिए जाने से उसका भविष्य अधर में लटक गया है। परीक्षा पूरी करने के बावजूद विश्वविद्यालय ने परिणाम जारी नहीं किया, जिसके चलते छात्र एमएससी में दाखिला लेने से वंचित रह गया। विश्वविद्यालय में तमाम शिकायत और प्रार्थना पत्र देने के बाद भी मामले में कोई सुनवाई नहीं हुई है।

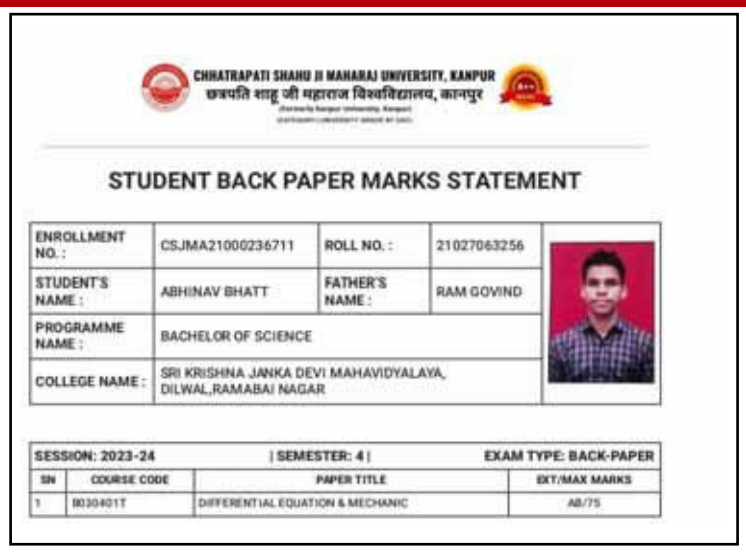

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

STUDENT BACK PAPER MARKS STATEMENT

ENROLLMENT NO. :	CSJMA21000236711	ROLL NO. :	21027063256
STUDENT'S NAME :	ABHINAV BHATT	FATHER'S NAME :	RAM GOVIND
PROGRAMME NAME :	BACHELOR OF SCIENCE		
COLLEGE NAME :	SRI KRISHNA JANKA DEVI MAHAVIDYALAYA, DILWAL,RAMABAI NAGAR		

SESSION: 2023-24 | SEMESTER: 4 | EXAM TYPE: BACK-PAPER

SN	COURSE CODE	PAPER TITLE	EXT/MAX MARKS
1	B030401T	DIFFERENTIAL EQUATION & MECHANIC	AB/75

जनसुनवाई पोर्टल में शिकायत करने के बाद भी नहीं मिला न्याय

जानकारी के अनुसार, डेरापुर क्षेत्र के ग्राम सिठमरा निवासी अभिनव भट्ट पुत्र दीपक भट्ट ने बीएससी की पढ़ाई पूरी की थी। चौथे सेमेस्टर में गणित विषय का एक पेपर अनुपस्थित दिखाया गया था। इसके बाद छात्र ने 06 जून 2024 को कनक रानी दर्शन सिंह शिक्षण संस्थान, गौरी झींझक (केंद्र कोड KD75) पर बैक पेपर की परीक्षा दी थी।छात्र का कहना है कि परीक्षा देने के बावजूद उसका परिणाम विश्वविद्यालय ने रोक दिया। उसने परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में सभी दस्तावेजों के साथ कई बार लिखित शिकायत दी, लेकिन हर बार सिर्फ दो दिन बाद आना या चार दिन में हो जाएगा जैसे आश्वासन ही मिले।

थक-हारकर छात्र ने मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर भी तीन बार शिकायत दर्ज कराई – क्रमांक 40016325014740, 40016325014440 और 40016325015923 – परंतु अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अभिनव ने कहा कि विश्वविद्यालय की इस लापरवाही से उसकी आगे की पढ़ाई रुक गई है और वह एमएससी में प्रवेश से वंचित रह गया। उसने उच्चाधिकारियों से हस्तक्षेप कर परिणाम जारी कराने की मांग की है ताकि वह अपनी शिक्षा जारी रख सके।

अपराध रोकने में नाकाम चार इंस्पेक्टरों से छिनी थानेदारी,पीसी ने तीन घंटे की क्राइम मीटिंग में लगाई फटकार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अपराध रोकने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम साबित हो रहे चार इंस्पेक्टरों से सीपी रघुबीर लाल ने थानेदारी छीन ली। चारों इंस्पेक्टरों के कार्यभार में बदलाव किया गया है। वहीं, चार अन्य थाना प्रभारियों व दो एसीपी को भी चेतावनी दी गई है। रविवार को सीपी क्राइम मीटिंग के दौरान ही इसके संकेत दे दिए थे। तीन घंटे तक चली मीटिंग के बाद ही इंस्पेक्टरों का कार्यभार बदल दिया गया।

चकेरी के थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला की सबसे ज्यादा शिकायतें थीं। उनको थाने से हटाकर डीसीपी ट्रैफिक का पीआरओ बनाया गया है। यहां कल्याणपुर थाना प्रभारी अजय कुमार मिश्रा को चार्ज दिया गया है। कल्याणपुर थाने की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर राजेंद्रकांत शुक्ला को मिली है। दूसरे नंबर पर फजलगंज इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह की शिकायतें थी जिन्हें एंटी थेफ्ट यूनिट का प्रभारी बनाया गया। फजलगंज थाने की जिम्मेदारी बर्रा थाने के अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह को दी गई है।

वहीं, स्वरूपनगर थाना प्रभारी सूर्यबली पांडेय को लेकर भी सीपी नाखुश थे उन्हें क्राइम ब्रांच भेजा गया है।

यहां का चार्ज अपर पुलिस आयुक्त अपराध के वाचक देवेंद्र सिंह को दिया गया। चौथे इंस्पेक्टर महाराजपुर इंस्पेक्टर संजय कुमार पांडेय को कमांडो स्वाट टीम का प्रभारी बनाया गया है। महाराजपुर थाने के निरीक्षक का चार्ज क्राइम ब्रांच के राजेश कुमार को दिया गया है। वहीं, बैठक में खराब प्रदर्शन और कुछ मामलों में शिकायतें मिलने पर साढ़, हरबंशमोहाल, बाबपुरवा, जूही, सचेंडी, कोतवाली, फीलखाना, पनकी के थानेदारों व दो एसीपी को भी चेतावनी दी गई थी।

बैठक के दौरान ही दे दिए थे संकेत

क्राइम मीटिंग में 54 थानेदारों के साथ क्राइम ब्रांच, साइबर सेल, ट्रैफिक इंस्पेक्टर, एलआईयू समेत अन्य विभागों के प्रभारियों को बुलाया गया। चकेरी, महाराजपुर, स्वरूपनगर और हरबंशमोहाल थाना प्रभारियों से सवाल-जवाब कर नाराजगी जताई थी। फजलगंज में पिछले दिनों पुलिस के अधिकारियों को गाड़ियों के कटने के साक्ष्य को लेकर थाना प्रभारी को फटकारा। बैठक के दौरान ही चारों पर कार्रवाई के संकेत मिल गए थे।

कुंडली में मांगलिक दोष बता अनुष्ठान के नाम पर 5.48 ठगे

» पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में दर्ज कराई एफआईआर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पांडुनगर निवासी कारोबारी से उनकी बेटी की कुंडली में मांगलिक दोष बताकर अनुष्ठान के नाम पर साइबर ठगों ने 5.48 लाख रुपये ठग लिए। कारोबारी ने एक मेट्रिमोनियल साइट पर बेटी की शादी के लिए प्रोफाइल बनाई थी। साइबर ठगों ने कारोबारी से इसी मेट्रिमोनियल साइट के जरिये संपर्क कर उन्हें चूना लगा दिया। साइबर क्राइम टीम ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कारोबारी श्याम सुंदर शर्मा ने पुलिस को बताया कि मेट्रिमोनियल साइट पर बेटी की शादी के लिए खुद को सेवानिवृत्त इनकम टैक्स कमिश्नर बताने वाले संतोष राय के डॉक्टर बेटे रोनित राय की प्रोफाइल देखी थी। इसी के बाद उनके व्हाट्सएप नंबर पर संतोष राय का मैसेज आया। बेटी की कुंडी में मांगलिक दोष बताकर नुष्ठान कराने के नाम पर एक लाख रुपये मांगे। उन्होंने 16 मई 2024 को ट्रांसफर कर दिए। फिर विशेष पूजा के लिए सोने की माला के नाम पर 2.04 लाख की मांग की। 2.04 लाख रुपये 22 मई 2024 को ट्रांसफर कर दिए।

कुछ दिन बाद आरोपियों ने बंगलुरू में निर्माणाधीन अस्पताल की मशीनरी के नाम पर इनकम टैक्स की कार्रवाई और खाता सील होने का बहाना बनाकर फिर से 2.20 लाख रुपये ले लिए। दोबारा 50 हजार रुपये मांगने पर उन्होंने पत्नी के खाते से 16 जून 2024 को 24 हजार रुपये दे दिए। आरोपियों ने फिर से एक लाख रुपये मांगे तो उन्हें शक हुआ।

बिल्हौर बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव

दावतों, गिफ्ट और जोड़-तोड़ के बीच कल होगा मतदान

मतदाताओं की चांदी: लंच, डिनर, मिठाई और उपहारों की बरसात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर नगर)। बिल्हौर बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव इस समय पूरे रोमांच पर है। कचहरी से लेकर गलियों तक चुनावी माहौल गरमा गया है। दावतों, गिफ्ट और जोड़-तोड़ के बीच प्रत्याशी मैदान में अपनी पूरी ताकत झोंक चुके हैं।

अध्यक्ष पद पर बृजेश कटियार बनाम आशीष पाण्डेय, उपाध्यक्ष पद पर रामपाल आनंद और लक्ष्मीकांत त्रिवेदी, जबकि महामंत्री पद पर विनय कुमार गौतम और सौरव कटियार मैदान में उतर कर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। शनिवार-रविवार की छुट्टी में प्रत्याशियों ने घर-घर जाकर वोट मांगे, वहीं सोमवार को कचहरी परिसर में शक्ति प्रदर्शन का नज़ारा देखने लायक रहा। हर चैंबर पर प्रत्याशी अपने समर्थको के साथ जाकर आशीर्वाद लेते दिखे।

» समर्थकों से प्रत्याशियों ने लिया अशीर्वाद, एसोसिएशन की कमान किसके हाथ जाएगी, कल होगा फैसला।

समर्थकों के जमावड़े से पूरी कचहरी चुनावी पर्व में तब्दील

कुल 195 अधिवक्ता मतदाता मंगलवार को अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। बीते एक हफ्ते से मतदाताओं की खूब चांदी रही। लंच, डिनर, मिठाई और उपहारों की बरसात लगातार जारी है। अब सबकी निगाहें मंगलवार के मतदान पर टिकी हैं, जब तय होगा कि बार एसोसिएशन की कमान किसके हाथ में जाएगी आशीष या बृजेश? रामपाल या लक्ष्मीकांत? विनय या सौरव? कल का दिन बताएगा, बिल्हौर बार एसोसिएशन का सरताज कौन बनेगा।

अधिवक्ता इस पूरे चुनावी माहौल को एक चुनाव पर्व की तरह जी रहे हैं प्रचार, दावतों और जोड़-तोड़ के बीच मज़ा लेते हुए हर पल का आनंद उठा रहे हैं।

कानपुर मंडल पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में बिल्हौर का दबदबा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। सेठ मोतीलाल खेड़िया विद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कानपुर मंडल पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में बिल्हौर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर कस्बे का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर, सीनियर और मास्टर वर्ग की महिला एवं पुरुष श्रेणियों के मुकाबले संपन्न हुए। द फोर्स फिटनेस बिल्हौर जिम के संचालक हिमांशु कटियार ने 84 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक हासिल किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें चैंपियनशिप का स्ट्रॉन्गमैन ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया।

सब-जूनियर 53 किलोग्राम भार वर्ग में कुलदीप ने प्रथम, आर्यन कटियार ने द्वितीय और दीपक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ग के 66 किलोग्राम श्रेणी में सरगम कटियार ने बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट दोनों में रजत पदक जीते। 93 किलोग्राम वर्ग में अरुण कुमार ने बेंच प्रेस में कांस्य पदक अर्जित किया। सभी विजेता खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर की पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए चयन किया गया है। प्रतियोगिता का उदघाटन संघ के सचिव डॉ. कमल किशोर गुप्ता एवं वीएसएसडी कॉलेज के विधि विभागाध्यक्ष आर.के. पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश पावरलिफ्टिंग संघ के उपाध्यक्ष राजेश दीक्षित, नीरज कुमार, मनीष मिश्रा, डॉ. चंपा रमानी, मोहम्मद जीशान और अनिल कुशवाहा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

दिवंगत शिक्षक अश्रितों को मिल रही 50 लाख की मद्द

टीएससीटी की मंडल स्तरीय बैठक संपन्न

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

फर्रुखाबाद/कानपुर। टीचर्स सेल्फ केयर टीम टीएससीटी की मंडल स्तरीय बैठक रविवार को फतेहगढ़ स्थित होटल हाइवे हैवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल संयोजक जितेंद्र यादव ने की जबकि आयोजन में संयोजक सुजीत कुमार की प्रमुख भूमिका रही।

बैठक में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विवेकानंद आर्या, महामंत्री सुधेश पांडेय, कोषाध्यक्ष संजीव रजक, प्रदेश सचिव दीदी बबीता वर्मा एवं संगठन मंत्री फर्रुख हसन सहित अन्य पदाधिकारियों ने संगठन की आगामी कार्ययोजना और नियमावली पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान नवमनोनीत सहप्रभारियों का सम्मान किया गया। इटावा संयोजक शौकीन सिंह यादव को सहप्रभारी मध्यप्रदेश, कन्नौज संयोजक अंकित कटियार को सहप्रभारी हरियाणा और कानपुर संयोजक सुनील वर्मा को सहप्रभारी हरियाणा की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि टीएससीटी शिक्षकों के सम्मान, सहयोग और हितों की रक्षा के लिए सतत सक्रिय रहेगी। संगठन दिवंगत शिक्षकों के परिजनों को अब तक 50 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान कर चुका है।

सूचना

मैं अपने पुत्र मंगल सिंह व बहू शोभा देवी व पुत्र ऋषि कुमार व बहू रश्मि के कार्य व्यवहार से तंग आकर अपनी समस्त चलवा अचल संपत्ति से बेदखल करते हुए हमेशा के लिए संबंध विच्छेद करती हूं उपरोक्त बहू और ल?कों द्वारा भविष्य में किए गए अच्छे बुरे कार्य के लिए वे स्वयं ही जिम्मेदार होंगे मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्तव सरोकार नहीं रहेगा

- उमादेवी पत्नी स्वर्गीय मनोज
ग्राम गांगूपुर, तहसील बिल्हौर, थाना अरौल, कानपुर नगर

मकनपुर में जिंदाशाह मदार के उर्स का हुआ समापन

अमन-चैन की दुआओं के बीच जायरीन और मलंगों की रवानगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर नगर)। सूफी संत हजरत सैय्यद बदीउद्दीन जिंदाशाह मदार रहमतुल्लाह अलैह के 609वें सालाना उर्स का सोमवार तड़के कुल की रस्म अदा होने के साथ ही पारंपरिक अंदाज में समापन हो गया। भोर की नम हवा में जब आस्ताने पाक का मुख्य द्वार खुला, तो दम मदार बेड़ा पार की सदाओं से पूरा इलाका गूंज उठा। दूर-दराज से आए जायरीन, मलंग और अकीदतमंद दरगाह शरीफ में हाजिरी देकर मुल्क की तरक्की और अमन-चैन की दुआएं मांगते नजर आए।

तीन दिनों तक मकनपुर कस्बा रूहानियत की रोशनी में डूबा रहा। हर तरफ इत्र की खुशबू, गुलाब की पंखुड़ियों और चादरों से सजी गलियां माहौल को सूफियाना बना रही थीं। रविवार की रात जलसा का आयोजन हुआ, जिसमें धर्म गुरुओं ने कलाम-ए-मदार शरीफ पेश कर महफिल को रूहानी रंग में रंग दिया। देर रात तक सजी महफिल के बाद सोमवार भोर पहर दरगाह के सज्जादानशीं की मौजूदगी में कुल की रस्म अदा की गई। सैय्यद नूरुल अराफात जाफरी मदारी ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे से जायरीन और मलंगों का दरगाह में मत्था टेकने का सिलसिला शुरू हुआ, जो घंटों तक चलता रहा।

उन्होंने कहा कि हर साल की तरह इस बार भी लाखों अकीदतमंद देश के कोने-कोने से मदार शरीफ की हाजिरी देने पहुंचे। सभी ने देश में भाईचारा, इंसाफ और अमन कायम रहने की दुआएं मांगीं। मोहतमिम कमेटी के सदस्यों ने बताया कि उर्स के दौरान जायरीनों के ठहराव, भोजन और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी। स्थानीय लोगों ने भी सूफी परंपरा के अनुरूप अपने घरों के दरवाजे मेहमानों के लिए खोल दिए थे। कुल की रस्म के बाद उर्स का औपचारिक समापन हुआ, लेकिन जियारत का सिलसिला दिन भर दरगाह शरीफ पर जारी रहा।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

महिला सुरक्षा कानूनों का दुरुपयोग

यह धारणा बना ली गई है कि हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ ज्यादा अपराध होते रहे हैं। लेकिन हाल ही में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले कथित अपराधों से जुड़े झूठे मामलों में भी यह राज्य सबसे ऊपर है। जो कि एक गंभीर विरोधाभास को दर्शाता है। पुलिस आंकड़ों पर नजर डालें तो हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की लगभग 45 फीसदी शिकायतें झूठी पायी गई। जबकि गुरुग्राम में 2020 से 2024 के बीच चालीस प्रतिशत से अधिक बलात्कार के मामले जांच के बाद रद्द किए गए। निश्चित रूप से इन आंकड़ों से न केवल कानून प्रवर्तन एजेंसियों बल्कि नागरिक समाज को भी चिंतित होना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि जब मनगढ़ंत शिकायतें सिस्टम में दर्ज की जाती हैं तो ये न केवल पुलिस का समय बर्बाद करती हैं, बल्कि इसके अलावा भी इसके कई तरह के नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। ये उन वास्तविक पीड़ितों की विश्वसनीयता को भी कमजोर करती हैं जो पहले से ही अपने खिलाफ खड़ी व्यवस्था में अपना मामला साबित करने के लिये संघर्ष कर रहे होते हैं। व्यक्तिगत बदला लेने, जबरन आर्थिक वसूली या ब्लैकमेल के लिये कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसा कि हाल ही में गुरुग्राम में एक वकील के नेतृत्व वाले गिरोह से जुड़े मामले में खुलासा हुआ। जाहिर है, इस तरह की करतूतें न्याय प्रक्रिया में जनता के विश्वास को कम ही करती हैं।निस्संदेह, इस सामाजिक विद्रूपता का उत्तर सभी महिलाओं पर अविश्वास करने या उन्हें हिंसा की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करने में नहीं है। हर शिकायत को गंभीरता से लिया ही जाना चाहिए। लेकिन साथ ही जांच पेशवर तरीके से और प्रमाणिक साक्ष्य आधारित होनी चाहिए। इसके अलावा उतना ही महत्वपूर्ण उन लोगों को दंडित करना भी है जो जानबूझकर कानून का दुरुपयोग करते रहे हैं। निश्चित रूप से महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय की अखंडता परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं हैं, बल्कि वे पूरी तरह एक-दूसरे पर ही निर्भर भी हैं। लेकिन प्रसंग के आलोक में सबसे बड़ी सामाजिक चिंता यह भी होनी चाहिए कि हरियाणा में लैंगिक संबंध इतने अस्थिर क्यों हो चले हैं कि यहां हिंसा और प्रतिशोध दोनों पनपते हैं? निर्विवाद रूप से शिक्षा, जागरूकता और लैंगिक संवेदनशीलता कमजोर कड़ियां बनी हुई हैं। सच्चा सशक्तीकरण कानूनों के हथियारीकरण से नहीं, बल्कि एक ऐसी संस्कृति से आएगा, जो निष्पक्षता, समानता और आपसी सम्मान को महत्व देती हो। झूठे आरोप न केवल आरोपी को बल्कि मामले की संवेदनशीलता को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में महिलाओं को न्याय सिर्फ सच्चाई या विश्वास की कीमत पर नहीं मिल सकेगा। ऐसे मामलों में समाज के जागरूक लोगों और महिला संगठनों को भी आवाज उठानी चाहिए।

साथ ही उन लोगों को न्यायिक प्रक्रिया के जरिये दंडित किया।

साडु पुत्तर ज़ोहरान ने झंडे गाड़े

क्षमा शर्मा

रोमांचित करने वाले कुछ घंटों के लिए, आधे भारत ने न्यूयार्क के मेयर पद चुनाव में ज़ोहरान की जीत में किसी अपने का अक्स देखा। उनके माता-पिता भारतीय मूल के हैं व परिवार विविधता की मिसाल। लोकतांत्रिक समाजवाद समर्थक ज़ोहरान की जीत सहमति के उस लुप्त होते विचार का प्रतीक है, जिसने विभाजन के बाद के दशकों में भारत को परिभाषित किए रखा। भारत ने न्यूयॉर्क में ज़ोहरान ममदानी की जीत को 'साडु पुत्तर ने झंडे गाड़े' की तरह अपनाया है, मीडिया का जो प्यार अक्सर शाहरुख खान जैसे दिग्गजों के लिए आरक्षित रहता है, वह उसने इस विजय पर उड़ेल दिया। यहां मामला सिर्फ़ उनकी बेबाक मुस्कान या अंगुलियों से बिरयानी खाते हुए वायरल हुई वीडियो का या बेधड़क होकर वामपंथी राजनीति की हिमायत करने (मसलन,फ़लस्तीन मुद्दे पर) भर का नहीं है। पिछले 72 घंटों में, गूगल पर 'लोकतांत्रिक समाजवाद' के बारे में सर्च करने वालों की संख्या में तेज़ी से वृद्धि हुई है।

ज़ाहिर है, यहां यह बात भी मददगार है कि ज़ोहरान के माता-पिता भारतीय मूल के हैं - अमृतसर की लड़की मीरा नायर, जिन्होंने शिमला के तारा हॉल स्कूल में पढ़ाई की है;उनके पिता, महमूद ममदानी, एक गुजराती खोजा (शिया) मुसलमान हैं॥पूर्वी अफ्रीका के तंगानयिका में जन्मे प्रवासी माता-पिता की संतान हैं और युगांडा के कंपाला में पले-बढ़ेौं। गत हफ्ते की शुरुआत में न्यूयॉर्क में मंच पर उनकी जीत का जश्न मनाते वक्त ममदानी परिवार की विविधता को देखते हुए॥जहां ज़ोहरान के साथ उनके माता-पिता के अलावा पत्नी रमा दुवैजी (सीरीयाई मूल की इस लड़की का परिचय ज़ोहरान से एक डेटिंग ऐप पर हुआ था) और निकाह एक साल पहले दुबई में हुआ - यदि आपके मन में विचार आए कि कहीं वे युनाइटेड कलर ऑफ बेनेटॉन के विज्ञापन के विषयवस्तु तो नहीं, तो इसके लिए आपको माफ़ किया जा सकता है! एक पल के लिए, ट्रम्प के पागलपन के बीच, अमेरिका ने खुद को उबार लिया। 'मुझे अपने पस्त, अपने गरीब...आज़ाद सांस लेने के लिए बेकरार अपने लोग सौंप दो'....स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी की आधारशिला पर अंकित 1883 की एम्मा लाज़रस कविता की पहली पंक्तियां यह कहती हैं। एक बहु-रंगी परिवार ने अमेरिका की द्विध्रुवीय श्वेत-अश्वेत राजनीति पर पार पा लिया और उसे अपना बना लिया (यहां यह मददगार रहा कि न्यूयॉर्क की 40 प्रतिशत आबादी आप्रवासियों की है)। इसलिए यह दिलचस्प रहा कि बाकी देश की तरह दो हिस्सों में बंटे भारतीय मीडिया ने गत सप्ताह ज़ोहरान ममदानी की जीत को अपनी विजय बना लिया।

। यह इस तथ्य को लेकर है कि रोमांचित करने वाले कुछ घंटों के लिए सही, भारत के आधे हिस्से ने ज़ोहरान की जीत में किसी अपने का अक्स देखा। यह वही आधा हिस्सा है जो जवाहरलाल नेहरू के कालजयी भाषण 'नियति से मिलन' की भावना के साथ पला-बढ़ा है,- अभी भी भारत की सोच हो सकती है, थोड़ा-सा यह और थोड़ा सा वह से बनी, अप्रवासियों का स्वागत करने वाली,जब यह अपने घर में सभी धर्मों, जातियों और पंथों के लोगों को समाहित कर लेती है। दूसरा आधा हिस्सा ज़ोहरान की तीखी आलोचना करने वालों का है क्योंकि वे गुजरात और उसके बाद प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति की आलोचना करते हैं, उनका मानना है कि ज़ोहरान हिंदुओं के खिलाफ 'कट्टरता और पक्षपात' को बढ़ावा दे रहे हैं और ये लोग इस्राइल एवं गाजा पर उनके विचारों से पूरी तरह असहमत हैं - ममदानी का मानना है कि इस्राइल गाज़ा में नरसंहार कर रहा है, जबकि भारत ने पीएम मोदी के शासनकाल में इस्राइल के साथ संबंधों को खूब बढ़ावा दिया है।

समय पर न्याय मिलना ही बदलाव की तार्किकता

न्याय प्रक्रिया में देरी

ज्वाला सिंह दास

निस्संदेह, जिसके साथ अन्याय हुआ है, जो सही निर्णय प्राप्त करने का अधिकारी है, उसे त्वरित न्याय मिलना चाहिए। यदि आम नागरिक का विश्वास कमजोर पड़ जाता है, तो वह अनुचित तरीके का सहारा लेता है, जो लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। पिछले वर्ष संसद में नए दंड विधान के विधेयक के पारित होने पर कहा गया कि 150 वर्षों से चली आ रही विसंगतिपूर्ण न्यायिक प्रक्रिया का अंत हो गया है।

दीवानी मामलों में भी मुकदमों की लंबी अवधि और अभियुक्त की अनिश्चित स्थिति आम बात थी, वहीं फौजदारी मामलों में न्याय प्राप्ति में 30-32 वर्ष तक का समय लग जाता था, जिससे आरोपित व्यक्ति अभियुक्त नहीं माना जाता था। गंभीर आरोप लगने पर भी जब केस की सुनवाई में आरोपित व्यक्ति जमानत पर रिहा हो जाता था, तो उसे लगता था कि वह लगभग फारिग हो गया। राजनीति में देश के लोकतंत्र के ढांचे पर दागी नेताओं का वर्चस्व बढ़ता जा रहा था। इन आरोपित व्यक्तियों की संख्या चुनावों के बाद बढ़ती जाती थी, और गंभीर आरोपों में भी वे पुनः चुनाव लड़कर जीत जाते थे। ऐसे लोग, जिनकी पृष्ठभूमि संदेहास्पद हो, देश के कल्याण या विकास में योगदान कैसे दे सकते हैं? बावजूद इसके, ये नेता चुनावों में नवनिर्माण के बजाय यथास्थितिवाद को कायम रखने में लगे रहे, जिससे देश क्रांति के नारों के बीच भी स्थिरता का शिकार हो गया।केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा कि नई दंड संहिता

लागू कर हमने न्यायिक व्यवस्था में क्रांति ला दी है, जिससे मुकदमों के निर्णय तिथिबद्ध हो गए हैं। जनता को वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। अब प्रत्येक व्यक्ति अपने साथ हुए अन्याय का प्रतिकार कर अपराधी को दंडित करवा सकता है और अपनी हानि की क्षतिपूर्ति का हक प्राप्त कर सकता है। नई दंड व्यवस्था के लागू होने से यह उम्मीद जगी है कि जनता को त्वरित न्याय मिलेगा। पिछले वर्ष के आकलन से पता चलता है कि त्वरित न्याय का सपना अभी भी अधूरा है। नई व्यवस्था के तहत गवाहों के मुकरने के रास्ते बंद किए गए और यदि ठोस प्रमाण न हो तो न्याय को लंबित न रखने का निर्देश भी दिया गया। साथ ही, संदेह का लाभ अभियुक्त को देकर बरी करने का प्रावधान भी किया गया। हालांकि, वास्तविकता में न्यायपालिका का चेहरा अभी भी पूरी तरह से नहीं निखरा है। न्याय प्रक्रिया में देरी और लंबित रह जाने की प्रवृत्ति अभी भी कायम है।, ये गंभीर अपराधों से जुड़े होते हैं, जैसे दुष्कर्म, हत्या, अपहरण, नाजायज दंगा और फसाद। हालांकि, न्यायालय ने देखा है कि इन फौजदारी मुकदमों में भी अक्सर पुलिस की उदासीनता, वकीलों का रवैया और भगोड़ों की उपस्थिति के कारण देरी हो जाती है, जिससे मुकदमों का लंबित रहना सामान्य बात हो जाती है। जब मुकदमा दायर होने के बाद सुनवाई में विलंब होता है, तो आरोपितों को जमानत मिलना आसान हो जाता है।, और सरकार ने यह प्रावधान किया है कि यदि आरोपी गरीब है तो सरकार खुद एक लाख रुपये तक की जमानत भर देगी। लेकिन, सबसे अधिक गड़बड़ी दीवानी मुकदमों में देखने को मिलती है, जहां मुकदमों की सुनवाई और त्वरित निपटान की प्रक्रिया अभी भी पूरी तरह से सशक्त नहीं हो पाई है। दरअसल, नई दंड संहिता लागू होने के बावजूद जनता अभी भी लंबित न्याय के इंतजार में है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया है कि दीवानी मुकदमों में जिन लोगों को डिक्री मिल गई, उसे लागू करवाने के लिए निष्पादन याचिकाओं पर एग्जीक्यूशन हुक्म नहीं मिल पाते। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राज्यों के हाईकोर्ट एक प्रक्रिया विकसित करें और लंबित याचिकाओं के प्रभावी एवं शीघ्र निपटारे के लिए जिला न्यायपालिका का मार्गदर्शन करें।

बड़ा सवाल: सुरार के भू-माफिया को सलाखों के पीछे भेजने से कौन बचा रहा?

» ऊसर भूमि पर अवैध प्लाटिंग का बड़ा खेल, ग्राम प्रधान ने आरोप लगाकर फिर शिकायत वापस ली

»प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। जिले की राजस्व ग्राम पंचायत सुरार में सरकारी ऊसर भूमि पर कब्जा और अवैध प्लाटिंग का बड़ा मामला उजागर हुआ है। यह घोटाला अराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 की जमीन से जुड़ा है, जिस पर रघुनाथपुर मजरे के निवासी महेंद्र यादव और वीर बहादुर यादव द्वारा अवैध प्लाटिंग किए जाने का आरोप है। ग्राम प्रधान पंकज यादव ने इस बाबत सदर एसडीएम को दी गई शिकायत में लिखा कि क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार ने अवैध प्लाटिंग करने वालों से मोटी रकम लेकर फर्जी रिपोर्ट तैयार की, जिससे भूमाफिया बेखौफ होकर जमीन बेचने का काम कर रहे हैं। मामले ने तब तूल पकड़ा जब कुछ ही दिनों बाद ग्राम प्रधान ने अपनी शिकायत वापस ले ली।

ग्रामीणों ने इस पर नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान ने भी भूमाफियाओं से सौदेबाजी कर ली है।दैनिक स्वराज इंडिया की पड़ताल में यह भी सामने आया कि सदर एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार सचेंडी रिचा सचान ने अराजी संख्या 608 के एक हिस्से पर बुलडोजर चलवाया था, जो वीर बहादुर यादव के कब्जे में था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि सरकारी ऊसर भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था। इसके बावजूद भूमाफियाओं के खिलाफ न तो मुकदमा दर्ज हुआ है, न भ्रष्ट लेखपाल पर कोई कार्रवाई हुई है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि आखिर राजस्व विभाग की चुप्पी के पीछे कौन-सी साठगांठ छिपी है? जहां एक ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर प्रदेश में भू-माफिया मुक्त अभियान चलाया जा रहा है, वहीं कानपुर का राजस्व विभाग आंख मूंदे बैठा है। अब देखना यह है कि क्या प्रशासन इन भूमाफियाओं को सलाखों के पीछे भेज पाएगा, या फिर यह सरकारी भूमि भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाएगी।

अवैध प्लाटिंग कर्ता महेंद्र यादव

अवैध प्लाटिंग कर्ता वीर बहादुर यादव

गौरव यात्रा निकाल कर ट्रांसजेंडर ने उठाई शेल्टर होम समेत कई मांगें

»प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। फूलबाग से आईएमए भवन तक ट्रांसजेंडर वर्ग ने गौरव यात्रा निकाली। यात्रा में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोग दुल्हन जैसे सज-धजकर शामिल हुए।

ट्रांसजेंडर वर्ग की ओर से रविवार को क्वीर वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से गौरव यात्रा का आयोजन किया गया। इस मौके पर फूलबाग से आईएमए भवन तक यात्रा निकाली गई। इसमें कानपुर समेत आसपास के लोग भी शामिल हुए। यात्रा का उद्देश्य अपने समुदाय के अधिकारों, समानता और सम्मान हासिल करना था। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री डॉ.राजन सिंह शामिल हुए। रैली में शामिल लोगों ने अपने लिए शेल्टर होम और जेंडर-न्यूट्रल वॉशरूम की सुविधा की मांग की।

क्वीर वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से निकाली गई इस तीसरी यात्रा में दुलहन से सजे ट्रांसजेंडर समुदाय के लोग नृत्य करते हुए शामिल हुए। वह ढोल नगाड़ों पर नाचते गाते चल रहे थे। कोई सोलह श्रंगार कर के आया था तो कोई सीने पर टैटू बनवाकर पहुंचा था।

इन लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर प्यार का इजहार किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक व सामाजिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।यात्रा में शामिल लोग जेंडर-न्यूट्रल वॉशरूम की सुविधा, बेघर ट्रांसजेंडर लोगों के लिए शेल्टर होम और बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा और आवास की मांग करते रहे।

इस अवसर पर दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री ने कहा कि पुरानी सरकारों ने ट्रांसजेडर के लिए पहल नहीं की, इसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। वर्तमान भाजपा सरकार समुदाय के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है। इस मौके गुलिस्ता, एकता, सलमा चौधरी और अनुज आदि उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकराकर पलटी, तीन घायल

पिता का इलाज कराने लखनऊ जा रहे थे कार सवार

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाइवे पर सेंगुर नदी पर मावर गांव के निकट सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा है। हादसे में स्कॉर्पियो कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।हादसा सोमवार सुबह करीब 7 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक मोहम्मदाबाद से लखनऊ जा रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार पुल पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार में एक बच्ची अरीबा,जैनुलआब्दीन, नृपत सिंह, आसिफ,जीशान,आसमा, तौफीक समेत कुल सात लोग सवार थे। कार में सवार लोग मोहम्मदाबाद से अपने पिता जैनुल का इलाज कराने के लिए लखनऊ जा रहे थे। हादसे में कुल तीन लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी देवीपुर अभिषेक कुमार पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को निजी वाहन से उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा।

ओवरलोड डंपर बेकाबू होकर पलटा, लगा लंबा जाम

» चार घायलों को भेजा गया अस्पताल, एक की हालत गंभीर

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के नबीपुर चौराहे पर रविवार को एक ओवरलोड डंपर पलटने से चार लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब डंपर चालक ने बाइक सवार को बचाने के चक्कर में वाहन से नियंत्रण खो दिया। हादसे के वहां लंबा जाम लग जाने लोग घंटों फंसे रहे।

जानकारी के मुताबिक डंम्फर चालक कानपुर की तरफ मौरंग लेकर जा रहा था। जनेर रोड के सामने नबीपुर तिराहे पर यह अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में गजनेर के जलालपुर नागिन गांव के सत्यम शर्मा, उनकी पत्नी वैभवी ,के डंफर चालक राजबहादुर उन्नाव नवाबगंज कानपुर के राजबहादुर घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजबहादुर की हालत गंभीर देख उन्हें

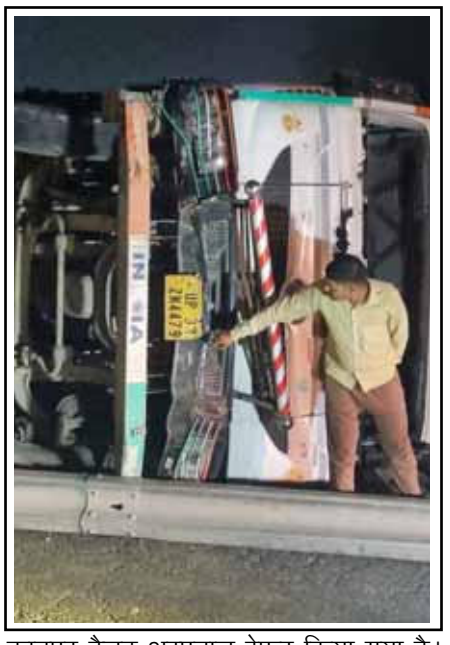

कानपुर हैलट अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद पुलिस ने डंपर हटवाकर यातायात बहाल कराया।हादसे के बाद डंपर चालक और क्लीनर मौके से फरार हो गए।

जिला अस्पताल कर्मचारी से मारपीट व लूट, पुलिस ने नहीं लिखा मुकदमा

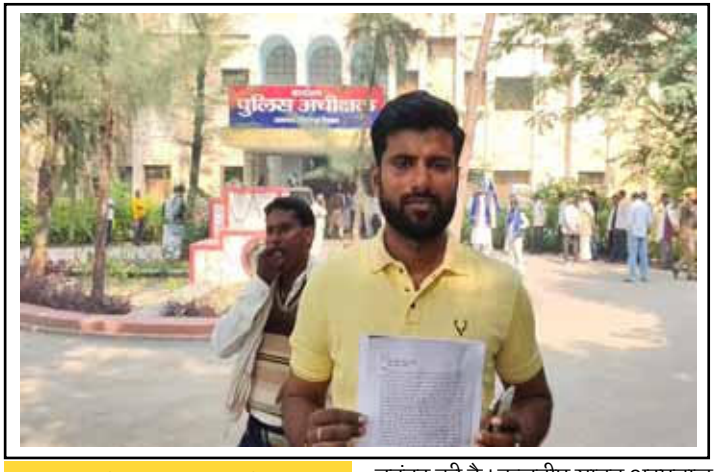

» न्याय की आस में एसपी से लगाई पीड़ित ने गुहार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला अस्पताल में कार्यरत कर्मचारी कुलदीप यादव इन दिनों न्याय की दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। आरोप है कि मारपीट और लूट की गंभीर वारदात के बावजूद पुलिस ने उनकी शिकायत पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

जानकारी के अनुसार, घटना 2 नवंबर की है। कुलदीप यादव अस्पताल से छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे। दोपहर करीब ढाई बजे जब वे गौरा नगर गांव के पास हुए एक सड़क हादसे को देखने के लिए रुके,

तभी पीछे से बाइक सवार दो युवकों ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। मामूली विवाद के बीच ही 10-12 अज्ञात युवक वहां पहुंचे और कुलदीप पर हमला कर दिया।पीड़ित के अनुसार, हमलावरों ने न केवल मारपीट की बल्कि उनके गले की सोने की चेन भी छीन ली और मौके से फरार हो गए। जब कुलदीप ने फोन से पुलिस को सूचना देने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उनका मोबाइल छीनकर तोड़ दिया।

इसके बाद वे किसी तरह कोतवाली पहुंचे और पुलिस को पूरी घटना बताई, लेकिन न तो मेडिकल कराया गया और न ही मुकदमा दर्ज हुआ।कुलदीप का कहना है कि उन्होंने कई बार थाने के चक्कर लगाए, पर हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। वहीं, घटना के दौरान मौजूद कुछ ग्रामीणों ने भी हमलावरों की पहचान बताई, लेकिन पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की।न्याय की उम्मीद में कुलदीप यादव ने अब पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय को लिखित शिकायत सौंपी है। एसपी ने मामले की जांच कर न्याय दिलाने का भरोसा दिया है।अब देखना यह होगा कि क्या पीड़ित अस्पताल कर्मचारी को न्याय मिलेगा या फिर पुलिस की लापरवाही एक बार फिर किसी बेगुनाह की आवाज दबा देगी।

विपरीत दिशा में जा रहे बाइकर्स को टोकने पर दंपति से मारपीट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बर्रा क्षेत्र में शनिवार देर शाम विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवारों को टोकना एक दंपति को भारी पड़ गया। बाइकर्स ने न केवल दंपति से अभद्रता की, बल्कि बीच बचाव करने वाले राहगीर को भी पीट दिया। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जूही लाल कॉलोनी निवासी अखिलेश गोस्वामी अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ बाइक से बर्रा में रिश्तेदार के घर जा रहे थे। जैसे ही वह बाइपास से उतरे, वहां ट्रैफिक जाम लगा हुआ था। तभी कुछ युवक बाइकों से गलत दिशा से निकलने की कोशिश करने लगे।अखिलेश ने उन्हें रुककर ऐसा न करने की सलाह दी, तो आरोपितों ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह पत्नी और बेटियों समेत गिरते-गिरते बचे। जब उन्होंने विरोध किया तो युवकों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान एक राहगीर ने बीच-बचाव की कोशिश की तो आरोपितों ने उसे भी पीट दिया। हमलावरों के भाग जाने के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को सूचना दी। इंस्पेक्टर बर्रा रवींद्र श्रीवास्तव ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। आरोपितों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

...तो क्या लाखों रुपये पानी में बहाने के लिए बनाए आरआरसी सेंटर

» प्रधान और सचिव बने अनजान, अफसरों की भी अनदेखी से दम तोड़ रही सरकारी योजनाएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद खेड़ा ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में लाखों के बजट से आरआरसी सेंटर बनाए गए हुए। इन्हें तैयार हुए लगभग एक साल बीत चुका है। मगर इनका संचालन शुरू नहीं हो पाया है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अभियान के तहत लाखों रुपए की लागत से ब्लॉक में बने आरआरसी सेंटर शो पीस साबित हो रहे हैं। आरआरसी सेंटर बनाने का उद्देश्य गांवों से निकलने वाले सूखा-गीला कचरा को सेंटर में अलग-अलग कर गीले कूड़े को इकट्ठा कर उसका डिस्पोजल कर खाद बनाकर बिक्री से पंचायत की आय बढ़ाना था, लेकिन रसूलाबाद ब्लॉक के अधिकांश गांवों में आरआरसी सेंटर पर ताला लटक रहे हैं। रसूलाबाद ब्लॉक के मनावा गांव बने 2023-24 में लाख रूपये से बना

आरआरसी सेंटर सचिव और ग्राम प्रधान को लापरवाही से निष्प्रयोज्य पड़ा है। केंद्र का संचालन नहीं होने से गांव की गलियों में कूडे. के ढेर लगे हुए हैं। सडक़ किनारे व घरों से इकट्ठा होने वाले कचरे से निजात दिलाने के लिए सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीणों के लिए गांव में कूड़ा निस्तारण केंद्र का निर्माण कराया था। इसका लाभ ग्रामीणों को नही मिल पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां तक कूड़ा कलेक्शन भी नहीं किया जा रहा है।

आरआरसी सेंटर के संदर्भ में जानकारी नहीं है। संबंधित ग्राम पंचायत सचिव से उक्त संदर्भ में जानकारी व आख्या मांगी जाएगी। यदि लापरवाही मिली तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।
-जेपी शुक्ला, एडीओ पंचायत

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 118 मरीजों को मिला इलाज

लोगों को बीमारी से बचाव के लिए एहतियात बरतने की सलाह दी गई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के देवीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में अलग अलग रोग से पीड़ित कुल 118 मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाएं वितरित की गईं। प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा लोगों को बीमारी से बचाव के महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए गए। वहीं बरौर कस्बा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर अलग अलग रोग से पीड़ित कुल 44 मरीजों का उपचार वहां मौजूद चिकित्साधिकारी डॉ शशि व उनकी टीम द्वारा किया गया। मलासा में 40 तथा जरसेन में 28 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवा वितरित की गई।

प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ विकास द्वारा लोगों को बीमारी से बचाव के लिए मौसम परिवर्तन के चलते एहतियात बरतने की सलाह दी।

अपने घरों के आसपास साफ सफाई रखने,रात को मच्छरदानी का प्रयोग करने तथा बीमारी की स्थित में तुरंत अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचकर जांच उपरांत ही दवा का सेवन करने की अपील की। इस मौके पर डॉक्टर राकेश कुमार, डॉ.आफताब आलम, फार्मासिस्ट सुधीर कुमार,अनिल कुमार, त्रिलोकी नाथ, एल टी योगेंद्र सिंह, राम प्रताप, शिवम, फहीम, दिव्यांशी, योगेश शुक्ला,संगिनी रीता,ललिता,सुरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

बिहार चुनाव

बिहार विधानसभा चुनाव

पहले चरण में रिकॉर्ड वोटिंग से बदला समीकरण

एनडीए में उत्साह , महागठबंधन के लिए चुनौती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 सीटों पर हुए मतदान ने इस बार इतिहास रच दिया। चुनाव आयोग के अनुसार 64.66 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ, जो वर्ष 2020 के चुनाव में हुए 57.29 प्रतिशत मतदान से 7.37 प्रतिशत अधिक है। उच्च मतदान ने राजनीतिक दलों की रणनीति बदल दी है और चुनावी विश्लेषकों के अनुमान भी उलझा दिए हैं।

मतदान के दौरान महिला मतदाताओं की भागीदारी सबसे अधिक उत्साहजनक रही। बेगूसराय में 67.32त्न और मीनापुर (मुज़फ्फरपुर) जैसे क्षेत्रों में 73त्न से अधिक मतदान दर्ज हुआ। मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें इस बात का संकेत थीं कि इस बार मतदाता बदलाव और भागीदारी को लेकर अधिक गंभीर हैं।एनडीए नेताओं ने इस बढ़ी हुई हिस्सेदारी को केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समर्थन बताया है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि अधिक मतदान परिवर्तन का संकेत है और जनता बदलाव चाहती है।हालांकि सट्टा बाजार अवैध और गैर-आधिकारिक व्यवस्था है, लेकिन चुनावी मौसम में इसकी चर्चाएँ तेज होती हैं। मुंबई और दिल्ली के सट्टा मंडलों में मतदान के बाद हलचल बढ़ी है। सूत्रों का दावा है कि पहले चरण के बाद अनुमान एनडीए को 145–160 सीटों तक मजबूत स्थिति में दिखा रहे हैं। महागठबंधन की सीटों के अनुमान में गिरावट की चर्चा है, मगर आधिकारिक रूप से इसकी कोई पुष्टि नहीं है।राजनीतिक जानकारों का कहना है कि महिला और EBC मतदाताओं की सक्रियता पहली बार समीकरणों को बड़े स्तर पर प्रभावित कर सकती है।

दूसरा चरण बनेगा असली निर्णायक

11 नवंबर को होने वाले मतदान में 122 सीटें शामिल हैं। इन क्षेत्रों में EBC समुदायों की बड़ी संख्या, महिला मतदाताओं की निर्णायक भूमिका, और प्रवासी मतदाताओं की वापसी चुनाव का रुख तय कर सकती है।

गठबंधनों की स्थिति

एनडीए (बीजेपी + जेडीयू)बढ़ी वोटिंग को सरकार की योजनाओं का समर्थन मान रहा है।

महागठबंधन (आरजेडी + कांग्रेस आदि) अधिक मतदान को बदलाव का संकेत बता रहा है।जन सुराज (प्रशांत किशोर) कई सीटों पर उपस्थिति, लेकिन निर्णायक प्रभाव पर संशय।

बांदा की गरीब महिला ने लगाई गुहार योगी जी, एक भैंस दिलवा दीजिए

» दो भैंसों की मौत से टूटा सहारा, दूध बेचकर चलाती थी घर और बच्चों की पढ़ाई

» सीएम पोर्टल पर लगाई फरियाद, बोलीं मुख्यमंत्री हर गरीब की सुनते हैं, मेरी भी सुनेंगे

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बांदा। जिले की नरैनी तहसील के जबरापुर गांव की एक गरीब महिला ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ऐसी अनोखी मदद की गुहार लगाई है जिसने सभी को चौंका दिया है। महिला ने न तो आवास मांगा, न राशन कार्ड और न ही कोई सरकारी नौकरी बल्कि उसने मुख्यमंत्री से एक भैंस दिलाने की फरियाद की है।

पीड़िता तकदिरन पत्नी अली हुसैन, मेहनत-मजदूरी करके अपने चार बच्चों का पालन-पोषण करती हैं। उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले गांव के लोगों से डेढ़ लाख रुपये कर्ज लेकर दो भैंसें खरीदीं, ताकि दूध बेचकर परिवार और बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठा सकें।लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया दोनों भैंसों की मौत के बाद परिवार पर संकट टूट पड़ा। तकदिरन ने बताया कि अब उनके पास न कमाई का साधन बचा है, न कोई जमीन का टुकड़ा।ग्रामीणों का कहना है कि महिला बेहद गरीब है, कभी-कभी गांव के लोग मदद कर देते हैं, लेकिन वह स्थायी समाधान नहीं है। इसी के चलते तकदिरन ने सीएम पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन भेजकर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से एक भैंस दिलाने की मांग की है।महिला और उनके पति ने कहा फ्मुख्यमंत्री हर गरीब की सुनते हैं, हमें भी भरोसा है कि वे हमारी मदद जरूर करेंगे।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में सिपाही पर मुकदमा दर्ज

50प्रति अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप

जालौन। भ्रष्टाचार निवारण संगठन झांसी इकाई की जांच में आय से अधिक संपत्ति के मामले में सिपाही राजकिशोर भदौरिया पर बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, राजकिशोर भदौरिया ने लोक सेवक के रूप में कुल 64 लाख 85 हजार 801 रुपए की वैध आय अर्जित की थी, जबकि इसी अवधि में उनके द्वारा 97 लाख 41 हजार 524 रुपए की चल-अचल संपत्तियां अर्जित करने और खर्च करने के प्रमाण मिले हैं।

यह संपत्ति उनकी वैध आय से 32 लाख 55 हजार 723 रुपए, यानी लगभग 50 प्रतिशत अधिक पाई गई। इस अतिरिक्त संपत्ति का संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में वे असफल रहे।जांच पूरी होने के बाद, भ्रष्टाचार निवारण संगठन झांसी इकाई के प्रभारी सादाब खान ने थाना कदौरा में सिपाही राजकिशोर भदौरिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।अब इस प्रकरण की आगे की जांच भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुख्यालय लखनऊ को सौंपी गई है।

मुक्कों की बरसात से गूंजी केएसई कप की बॉक्सिंग रिंग

» सेमीफाइनल में 20 जोड़ी खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

» विधायक रामचन्दर यादव ने किया प्रतियोगिता का शुभारंभ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मुक्कों की बरसात से रविवार को के.एस.ई. कप की बॉक्सिंग रिंग गूंजती रही। सहादतगंज स्थित सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल परिसर में आयोजित केएसई. कप सीनियर पुरुष बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल मुकाबलों की शुरुआत रुदौली विधायक रामचन्दर यादव ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर की।

विभिन्न भार वर्गों में हुए 20 जोड़ी मुकाबलों में खिलाड़ियों ने ताकत, रणनीति और फुर्ती का शानदार प्रदर्शन किया। रिंग में हर मुक्के के साथ दर्शक तालियों से गूंज उठे। कभी दाएं हुक ने विरोधी को हिला दिया तो कभी तेज प्रहार ने मैच की दिशा ही बदल दी। विधायक रामचन्दर यादव ने कहा कि खेल शरीर और मन दोनों को मजबूत बनाते हैं। बॉक्सिंग युवाओं में साहस, अनुशासन और आत्मविश्वास जगाने का काम करती है। नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि अयोध्या अब केवल आस्था की नगरी नहीं रही, बल्कि प्रतिभा और खेल के नए केंद्र के रूप में उभर रही है। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष विशाल गुप्ता ने कहा कि के.एस.ई. कप जैसी प्रतियोगिताएं न सिर्फ खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा का मंच देती हैं बल्कि प्रदेश में बॉक्सिंग के स्तर को भी ऊंचा करती हैं। मौके पर महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, सहकारी बैंक सभापति धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू, नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार, कमलेश श्रीवास्तव, शक्ति सिंह, आशीष अग्रवाल, चन्द्र प्रकाश गुप्ता, गगन गुप्ता, राजेश सिंह समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

गलियों में धड़ल्ले से मांस का कारोबार, फाइलों में कोई दुकान नहीं

अयोध्या के खाद्य विभाग का अजब हाल

» आरटीआई में कहा कोई लाइसेंसधारी नहीं, जनसुनवाई में जवाब मिला सबके पास अनुमति

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो।

अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या में जवाबों के विरोधाभास ने जिला खाद्य सुरक्षा विभाग को कठघरे में खड़ा कर दिया है। एक ही सवाल जिले में कितनी मांस की दुकानें और बूचडख़ाने हैं और क्या उनके पास अनुमति है पर विभाग ने दो अलग-अलग जवाब दिए। मांगी गई जनसूचना में लिखा 'कोई लाइसेंसधारी नहीं', जबकि जनसुनवाई पोर्टल पर वही विभाग बताता है 'सभी के पास वैध अनुमति है'।यह विरोधाभास न केवल कागजी गड़बड़ी पर सवाल खड़ा करता है बल्कि खाने-पीने की सुरक्षा, नियमन की कार्यवाही और प्रशासनिक निष्पक्षता पर भी शक पैदा करता है। पशु अधिकारों की रक्षा करने वाली एक संस्था कार्यकर्ता प्रज्ञा गुप्ता ने 16 सितंबर को आरटीआई के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग से पूछा था कि अयोध्या जिले में कितनी मांस की दुकानें और बूचडख़ाने संचालित हैं और क्या सभी के पास लाइसेंस/अनुमति है।

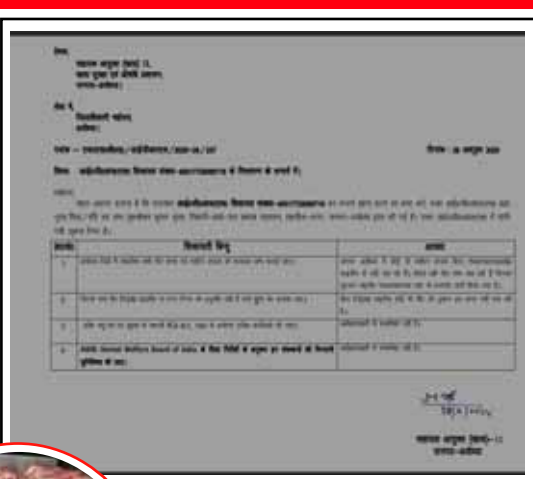

विभाग ने आरटीआई के जवाब में स्पष्ट लिखा कि 'विभाग के अभिलेखों में किसी भी मांस की दुकान या बूचडख़ाने का लाइसेंस उपलब्ध नहीं है' यानी सरकारी रिकॉर्ड में शून्य। वही मामला जब जनसुनवाई पोर्टल पर पहुंचा तो विभाग का रुख पलट गया वहां कहा गया कि संबंधित दुकानों के पास वैध अनुमति है और कोई अनियमितता नहीं पाई गई। एक विभाग की दो बाते अब सवालों के घेरे में है। जबकि अयोध्या की तमाम गलियों में खुलेआम मांस बिक रहा है।

... तो क्या प्रभावशाली संरक्षण मिला

आरटीआई व जनसुनवाई पोर्टल पर सवाल का जवाब मांगने वाली प्रज्ञा गुप्ता का कहना है कि आरटीआई का जवाब सरकारी साक्ष्य होता है और जनसुनवाई पर दिया गया अलग उत्तर सवाल को दबाने की कोशिश है। उनका आरोप है कि अयोध्या में अवैध बूचडख़ाने और मांस की दुकानें प्रभावशाली संरक्षण के साथ चल रही हैं। उन्होंने मांग की है कि दोनों जवाबों की उच्च स्तर पर स्वत- संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराई जाए और बिना अनुमति चल रही दुकानों पर सख्त कार्रवाई की जाए। यह केवल विभागीय लापरवाही नहीं, बल्कि सच छुपाने की कोशिश है। अगर सरकारी रिकॉर्ड ही झूठ बोल रहा हो, तो नागरिकों की स्वास्थ्य व सुरक्षा पर कौन गारंटी देगा?

इन सवालों का नहीं जवाब

1. अगर अभिलेखों में 'शून्य' लाइसेंस हैं, तो बाजारों में मांस किस तरह खुलकर बिक रहा है?
2. अगर दुकानों के पास अनुमति है, तो आरटीआई में यह कैसे दर्ज हुआ कि कोई लाइसेंसधारी नहीं?
3. क्या विभाग जनसुनवाई में औपचारिकता निभा कर फाइलें बंद कर रहा है?
4. क्या इस धंधे में प्रभावशाली संरक्षण की हिस्सेदारी है?

इन्नमा बनी सनातनी 'महक', अभिषेक संग लिए सात फेरे

» रामजानकी मंदिर में हुई शादी, कहा, बिना किसी दबाव के अपनाया धर्म और जीवनसाथी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो।

अयोध्या। रामनगरी में रविवार को जनौरा स्थित राम जानकी मंदिर में पूर्व में इन्नमा नाम से जानी जाने वाली युवती ने सनातन धर्म अपनाकर हिंदू रीति-रिवाज से अभिषेक के साथ विवाह रचाया। विवाह पूरी धार्मिक परंपराओं के अनुसार महंत संत दास उर्फ राजेश सिंह मानव की देखरेख में संपन्न हुआ।महंत संत दास मानव ने बताया कि युवती का नाम पहले इन्नमा था, अब उसने सनातन संस्कार अपनाकर 'महक' नाम धारण किया है। उन्होंने कहा कि दोनों ने स्वेच्छा से भगवान को साक्षी मानकर विवाह किया है। यह किसी प्रकार के दबाव या प्रलोभन का परिणाम नहीं है। अभिषेक ने बताया कि यह विवाह पूरी तरह उनकी आपसी सहमति और प्रेम से हुआ है। उन्होंने कहा, हम दोनों ने मिलकर यह निर्णय लिया कि जीवन के हर पड़ाव पर एक-दूसरे का साथ निभाएंगे। किसी ने हमें मजबूर नहीं किया। वहीं महक (पूर्व में इन्नमा) ने भी कहा कि मैंने अपनी इच्छा से सनातन धर्म अपनाया है और अभिषेक को अपना जीवनसाथी चुना है। महंत राजेश सिंह मानव ने बताया कि दोनों की मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार वे बालिग हैं, और भारतीय कानून के तहत बालिग व्यक्ति को अपनी पसंद से धर्म और जीवनसाथी चुनने का पूरा अधिकार है।

जिला अस्पताल: कराने आए थे ऑपरेशन, परिजन लेकर गए लाश

» ऑपरेशन के बाद बढ़ता रहा दर्द, डॉक्टर कहते रहे 'सब ठीक है'

» मृतक की पत्नी ने डीएम को पत्र भेजकर जांच कराने की मांग की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी के जिला अस्पताल (पुरुष) में एक बार फिर लापरवाही का दर्दनाक मामला सामने आया है। ग्राम खोजनपुर, थाना पुराकलंदर निवासी अंजू ने अपने पति की मौत के लिए जिला अस्पताल के डॉक्टरों को जिम्मेदार ठहराते हुए जिलाधिकारी अयोध्या को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पीड़िता के अनुसार, 16 अक्टूबर 2025 को उनके पति राम प्रसाद को अचानक पेट में तेज दर्द हुआ। परिजन उन्हें जिला अस्पताल (पुरुष) अयोध्या ले गए, जहां तैनात चिकित्सक डॉ. वी.पी. सिंह (वेद प्रकाश सिंह) ने जांच के बाद 15 हजार रुपये लेकर गॉल ब्लैडर का ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद मरीज के पेट में सूजन और दर्द बढ़ने लगा। लेकिन परिजनों के बार-बार अनुरोध के बावजूद डॉक्टर ने हर बार यही कहा सब ठीक है, घबराने की जरूरत नहीं।

अंजू का कहना है कि 22 अक्टूबर को राम प्रसाद की हालत और बिगड़ गई। पेट में बढ़ती सूजन के बावजूद डॉक्टरों ने केवल एमआरआई और सीटी स्कैन के नाम पर मरीज को 2ङ्क3 दिन तक टालते रहे। आखिरकार 25 अक्टूबर की रात जब स्थिति बेहद गंभीर हो गई, तब जाकर मरीज को आईसीयू में भर्ती किया गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। 27 अक्टूबर को राम प्रसाद की मौत हो गई।

सख्त कार्रवाई की मांग

परिजनों का आरोप है कि अगर समय पर सही जांच और उपचार किया गया होता, तो राम प्रसाद की जान बचाई जा सकती थी। अब परिवार पर दुख और आर्थिक संकट का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक की पत्नी अंजू और छोटे बच्चों के सामने जीवन-यापन की चुनौती खड़ी हो गई है। पीड़िता ने जिलाधिकारी से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराते हुए तैनात चिकित्सक डॉ. वी.पी. सिंह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि इसके पर्व भी अयोध्या जिला अस्पताल में यह कोई पहला मामला नहीं जब लापरवाही ने जिंदगी छीन ली हो। इसके पहले भी कई मामले हो चुके हैं।

अमानवीय: यह कैसा इलाज, शुगर के मरीज को बता दिया पागल!

» जिला अस्पताल में इंसानियत को बेडियों में जकड़ा गया

» सालिग राम पेशे से बावर्ची, बीमारी में बना दिया पागल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम की नगरी बीमारी का इलाज नहीं, मरीज की बेइज्जती की जाती है। जिला अस्पताल से वायरल एक वीडियो ने यह साबित कर दिया कि यहां इलाज नहीं, क्रूरता हो रही है। वीडियो में एक बुजुर्ग मरीज – सालिग राम – बेड से बंधा हुआ दिख रहा है। सामने भोजन की थाली रखी है, लेकिन वह थाली तक पहुंच नहीं पा रहा। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

सालिग राम, जो बांस मंडी के पास अपने परिवार दो बेटियां और एक बेटे के साथ रहता है, पेशे से बावर्ची है। उसे शुगर की गंभीर बीमारी थी। जब ब्लड शुगर घटा-बढ़ा, तो वह बार-बार बेहोश हो रहा था।

लेकिन डॉक्टरों ने इसे मानसिक बीमारी मान लिया और उसे मानसिक रोगी घोषित कर दिया! अब सवाल यह है कि क्या अयोध्या का जिला अस्पताल अब मेडिकल सेंटर है या अंधविश्वास आश्रम, जहां डॉक्टर बीमारी नहीं, अनुमान से इलाज करते हैं? यह पूरा मामला मेल

एडी हेल्थ बोले 'लापरवाही' नहीं, 'अमानवीयता' है

अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ. बी.के. चौहान ने इसे स्पष्ट रूप से अस्पताल प्रशासन की लापरवाही बताया। उन्होंने कहा, मरीज अगर मानसिक रोगी भी रहा होगा तो उसे बांधना गलत था। जिस तरीके से निष्प्रयोज्य भवन के नीचे उसे बेड पर बांधकर लिटाया गया और उसके पास थाली रख दी गई वह अमानवीय है।

सर्जिकल वार्ड से जुड़े उस बरामदे का है, जिसे स्वास्थ्य विभाग ने पहले ही उपयोग के अयोग्य घोषित कर दिया था।

फिर भी वहां एक जिंदा इंसान को लिटाया गया बांधकर, अकेले, और बिना देखरेख के।

प्रशासनिक फाइलों में वह वार्ड निष्प्रयोज्य दर्ज है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने भी इस मामले में रटा रटाया जवाब दिया कि उसे निष्प्रयोज्य वार्ड में कौन ले गया, किसने बांधा यह जांच का विषय है। जांच कराई जाएगी।

डॉक्टर से अभद्रता के मामले में औरैया के SDM के खिलाफ एफआईआर

» कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

» स्वराज इंडिया अखबार में प्रकाशित हुई थी खबर

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

प्रयागराज- महिला डॉक्टर से अभद्रता के आरोप में औरैया के SDM पर केस दर्ज

कोर्ट ने जारी किया नोटिस

प्रयागराज। प्रयागराज के झूंसी थाने में औरैया में तैनात एडीएम कमल कुमार सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की गई है। SDM पर एक महिला डॉक्टर को धमकाने, गाली-गलौज करने और अस्पताल में तोड़फोड़ करने के गंभीर आरोप हैं।जानकारी के मुताबिक, प्रयागराज के एक निजी हॉस्पिटल की संचालिका डॉ. विभा राय ने शिकायत में बताया कि SDM कमल कुमार सिंह अस्पताल पहुंचे और खुद को प्रशासनिक अधिकारी बताते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया। डॉक्टर का आरोप है कि उन्होंने धमकी दी थी कि मैं बहुत पावरफुल व्यक्ति हूं, तुम्हारे जैसे डॉक्टर मेरे पास आकर तलवे चाटते हैं, तुम्हारा हॉस्पिटल बंद करवा दूंगा।

डॉ विभा ने बताया कि घटना के दौरान SDM ने अस्पताल के फर्नीचर और अन्य कीमती सामान को भी नुकसान पहुंचाया। शिकायत के बावजूद जब झूंसी थाने में कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो उन्होंने अदालत में अर्जी दाखिल की। कोर्ट ने सुनवाई के बाद झूंसी पुलिस को एफआईआर दर्ज कर जांच के आदेश दिए।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, SDM कमल कुमार सिंह, जो वर्तमान में औरैया में तैनात हैं तथा मूल रूप से प्रयागराज के हनुमानगंज क्षेत्र के निवासी हैं, ने आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ यह एक साजिश है और वे कानूनी रूप से अपना पक्ष पेश करेंगे।

एकता यात्रा से पूर्व सीएम योगी ने किया ऐलान

प्रदेश के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् गीत गाना जरूरी

गरजे मुख्यमंत्री- पैदा होने से पहले ही जिन्ना को दफन कर देना!

» कहा- व्यक्ति, जाति, मत और मजहब राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता।

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के सभी स्कूलों और शिक्षण संस्थाओं में वंदे मातरम् का गायन अनिवार्य होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर से इसका ऐलान किया। गोरखपुर में एकता यात्रा के आरंभ से पहले एक सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि वंदे मातरम् राष्ट्रीय गीत के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। हम लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के सम्मान के साथ ही राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का गायन भी उत्तर प्रदेश के हर विद्यालय, हर शिक्षण संस्थान में अनिवार्य करेंगे जिससे उत्तर प्रदेश के अंदर हर नागरिक के मन में अपनी भारतमाता के प्रति अपनी मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव जागृत हो सके।

एकता यात्रा की शुरुआत के मौके पर सीएम योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने देश के विभाजन के लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति को जिम्मेदार ठहरा दिया। सीएम योगी ने कहा कि गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर द्वारा रचित वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आजादी का उद्घोष बन गया था। 1896 से 1922 तक कांग्रेस के सभी अधिवेशनों में इसे गाया जाता था लेकिन 1923 में मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस के अध्यक्ष बने तो उन्होंने इसका विरोध कर दिया। वंदे मातरम् गाने से इनकार कर दिया। यदि उसी समय कांग्रेस ने मोहम्मद अली जौहर को हटा दिया होता, वंदे मातरम् का अपमान नहीं सहा होता तो देश का विभाजन नहीं होता।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम् का विरोध करने वाले मोहम्मद अली जौहर को हटाने की बजाए वंदे मातरम् में संशोधन की बात की। उसकी ऐसी ही तुष्टिकरण की नीतियों के चलते 1947 में देश का विभाजन हुआ। सीएम ने कहा कि अब जब सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती पर आयोजन हो रहे हैं तो एक बार फिर वंदे मातरम् का विरोध हो रहा है। उन्होंने कहा कि सपा के एक सांसद ने इसका विरोध किया है। सीएम ने कहा कि यदि हम अपने महापुरुषों का सम्मान नहीं करेंगे तो देश कहां जाएगा। देश में राष्ट्रीय एकता और अखंडता को चुनौती देने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

वंदे मातरम् पर ताजा विवाद

भारत का राष्ट्रगीत वंदे मातरम् इस समय पक्ष और विपक्ष की राजनीति का केंद्र बना हुआ है। महाराष्ट्र की भारत की अगुवाई वाली एनडीए सरकार जहां स्कूलों में पूरा वंदे मातरम् अनिवार्य करा रही है और इसके साथ ही देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू पर इसमें कांट-छांट करवाने का आरोप लगा रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस इस गीत पर अपना अधिकार बताते हुए कह रही है कि आजादी की लड़ाई में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने ही इस गीत को अपना हथियार बनाया था।

समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने धार्मिक कारणों का हवाला देते हुए वंदे मातरम् गाने से इनकार कर दिया है। यूपी में मुरादाबाद से सपा के पूर्व सांसद डॉ.एसटी हसन ने भी कहा है कि मुसलमान अल्लाह के सिवा किसी और की इबादत नहीं कर सकता, इसलिए वह वंदे मातरम् नहीं गाएंगे। वंदे मातरम् में धरती की पूजा का भाव है, जबकि इस्लाम में इबादत सिर्फ अल्लाह के लिए होती है, इसलिए मुसलमान वंदे मातरम् नहीं गा सकते। उनका बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

विभाजनकारी मंशा को जड़ से जमाने से पहले ही दफना देना चाहिए

सीएम योगी ने लोगों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि भारत में कोई नया जिन्ना फिर कभी न उभरे, और अगर कोई देश की अखंडता को चुनौती देने की हिम्मत करता है, तो हमें ऐसी विभाजनकारी मंशा को जड़ जमाने से पहले ही दफना देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, भारत के प्रत्येक नागरिक को इस उद्देश्य के लिए एकजुट होना चाहिए। मोहम्मद अली जिन्ना 1913 से 14 अगस्त 1947, पाकिस्तान के गठन तक अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता रहे। इसके बाद, एक साल बाद 1948 में अपनी मृत्यु तक वे पाकिस्तान के पहले गवर्नर-जनरल बने। मोहम्मद अली जौहर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के सह-संस्थापक थे।

पर्यटन मंत्री के काफिले की छह कारें आपस में टकराईं

बड़ा हादसा होने से टला, किसी नहीं आई चोट

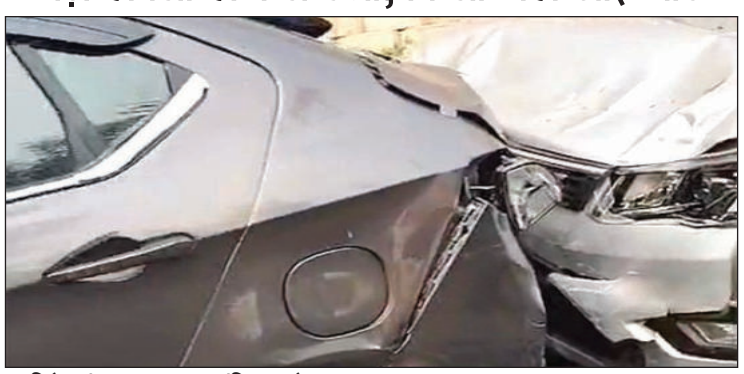

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

फिरोजाबाद। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के काफिले में भाजपा कार्यकर्ताओं की छह कारें आपस में टकरा गईं। यह हादसा थाना नारखी क्षेत्र के बछगांव के पास जलेसर सर्विस रोड पर रविवार दोपहर डेढ़ बजे हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई है।

पर्यटन मंत्री का काफिला बछगांव में स्थित शिव मंदिर (शिव गुफा) के लोकार्पण कार्यक्रम के लिए जा रहा था। तभी काफिले में आगे चल रहे वाहन ने अचानक ब्रेक लगा दिए। पीछे चल रही गाड़ियों के ड्राइवरों को संभलने का मौका नहीं मिला और देखते ही देखते छह गाड़ियां आपस में टकरा गईं। हादसे में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन कई वाहनों के अगले हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर कुछ देर अफरा-तफरी और जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे कराया, जिससे यातायात सुचारू हो सका।

काफिले में गाड़ियों की रफ्तार तेज थी और अचानक ब्रेक लगने से यह दुर्घटना हुई। मंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे कार्यकर्ता बाद में सुरक्षित रूप से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

दो करोड़ वाले गांजा तस्कर के घर में है तहखाना - सुरंग

घर में 12 सीसीटीवी से निगरानी, पत्नी-बेटी जाली से गांजे की पुड़िया देती थीं

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में जिस तस्कर के घर से 2 करोड़ रुपए से ज्यादा कैश गिनते-गिनते पुलिस के पसीने छूट गए, उसने घर में ही सुरंग और तहखाना खुदवा रखा था। सुरंग उसके सामने वाले घर में जाकर निकलती थी। यही नहीं, उसने पूरे घर को किले जैसा बनवाया था। 12 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवा रखे थे, जिससे हर आने-जाने वाले पर नजर रखता था।

बिना पहचान वाले को घर में घुसने नहीं देता था। यहां तक कि वह पड़ोसियों को भी घर नहीं बुलाता था। तस्कर राजेश मिश्रा का परिवार 5, 10, नहीं, बल्कि पिछले 40 सालों से गांजा तस्करी का काम कर रहा था, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। जबकि उसका मुंदीपुर गांव मानिकपुर थाना क्षेत्र से सिर्फ 1 किमी की दूरी पर है।

शनिवार सुबह पुलिस ने राजेश के घर पर रेड मारी। तलाशी शुरू की तो झोले-बोरे में भरे नोट मिलने लगे। पुलिसकर्मियों ने नोट गिनना शुरू किया, लेकिन कुछ देर बाद गिनते-गिनते थक गए। कई महिला पुलिसकर्मी तो पसीना तक पोंछती नजर आईं। इसके बाद पुलिस ने नोट गिनने की 4 मशीनें मंगाईं और 24 घंटे तक गिनती चली।

जांच में पता चला कि राजेश मिश्रा पर 4 केस दर्ज हैं। गैंगस्टर भी लगा है। वह प्रतापगढ़ जेल से ही पत्नी रीना मिश्रा के जरिए नशे का कारोबार चला रहा था। रीना पति के निर्देश पर गांव और आसपास के क्षेत्रों में नेटवर्क फैला रही थी। पुलिस ने राजेश की पत्नी, बेटे-बेटी समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। रेड करने वाली टीम को आईजी संजीव कुमार ने 1 लाख और एसपी ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है।